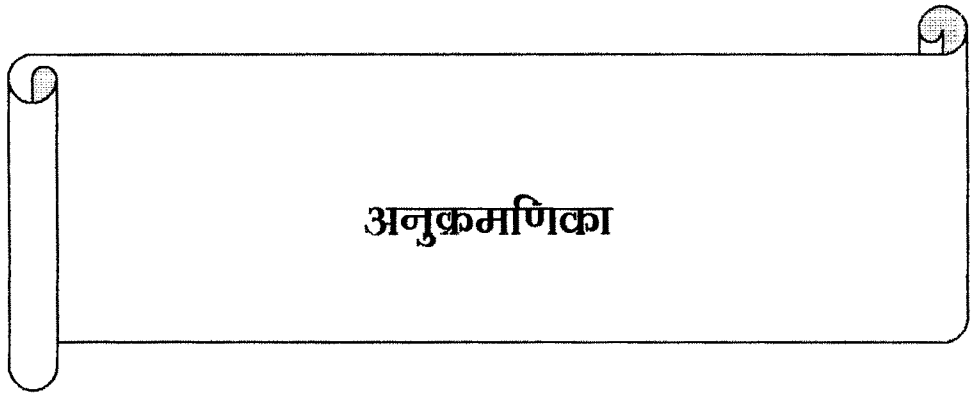

अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

प्राक्कथन

प्रथम अध्याय : भीष्म साहनी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व। 1 से 21

1.1 भीष्म साहनी का जीवन परिचय

1.1.1 जन्म

1.1.2 परिवार

1.1.3 माता-पिता

1.1.4 बड़े भाई : बलराज साहनी

1.1.5 शिक्षा

1.1.6 नौकरियाँ तथा व्यवसाय

1.1.7 विवाह

1.1.8 संतान

1.1.9 मित्र

1.2 भीष्म साहनी का व्यक्तित्व

1.2.1 सादगी

1.2.2 विनम्रता

1.2.3 सहनशीलता

1.2.4 सेवाभावी

1.2.5 शौक

1.2.6 अपनी पत्नी, शीला की नजर में भीष्म साहनी

1.3 भीष्म साहनी का कृतित्व

1.3.1 कहानी संग्रह

1.3.2 उपन्यास

1.3.3 नाटक

1.3.4 जीवनी

1.3.5 बाल-साहित्य

1.3.6 निबंध-साहित्य

1.3.7 संपादक भीष्म साहनी

1.3.8 अनुवादक भीष्म साहनी

1.4 प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय : भीष्म साहनी की प्रतिनिधि कहानियों का प्रतिपाद्य 22 से 33

2.1 मानवीय मूल्यों की पहचान और परिवेश बोध

2.2 वर्ग-विशेष के स्त्री-पुरूषों की अमानवीयता

2.3 घृणा और हिंसा के यज्ञ में निर्दोष की बली

2.4 जमीन तथा जीवन से कटने का दर्द

2.5 वृद्ध व्यक्तियों के प्रति उपेक्षाभाव

2.6 भारत की अन्धी न्यायव्यवस्था

2.7 आर्थिक विवशता

2.8 मातृत्व के दो आयाम

2.9 अफसरी रोब

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय : भीष्म साहनी की कहानियों में चित्रित समस्याएँ 34 से 55

3.1 आर्थिक समस्या

3.1.1 अर्थ के कारण बदलते मानवीय मूल्य तथा रिश्तों की समस्या

3.1.2 आर्थिक विषमता की समस्या

3.1.3 उच्चवर्ग का अमानवीय व्यवहार एक समस्या

3.2 राजनीतिक समस्या

3.3 धार्मिक समस्या

3.3.1 साम्प्रदायिक दंगो की समस्या

3.4 सामाजिक या पारिवारिक समस्या

3.4.1 नारी समस्या

3.4.2 प्रेम समस्या

3.4.3 अनैतिक संबंधों की समस्या

3.4.4 विधवा समस्या

3.4.5 वृद्धों की समस्या

3.4.6 वेश्या समस्या

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय : भीष्म साहनी की कहानियों में मध्य

तथा निम्न-मध्यवर्गीय जीवन **56 से 77**

समाज का वर्गीकरण

1. उच्चवर्ग
2. मध्यवर्ग
3. निम्नवर्ग

4.1 भीष्म साहनी की कहानियों में मध्य तथा निम्न-मध्यवर्गीयों की मानसिकता

4.1.1 अवचेतन में पड़ी दमित इच्छाओं की पूर्ति

4.1.2 हीनता ग्रंथी से ग्रस्त

4.1.3 भीड़ की मनोवृत्ति

4.1.4 अंत:द्वंन्द्व

4.2 आर्थिक अभाव में जीता मध्य-निम्नवर्गीय तथा निम्नवर्गीय समाज

4.2.1 पूँजीवादी व्यवस्था के द्वारा शारीरिक और मानसिक शोषण

4.2.2 आर्थिक विवशता तथा बदलते रिश्तें

4.3 प्रदर्शन की प्रवृत्ति

4.4 निम्न-मध्यवर्ग तथा निम्नवर्ग की संघर्षशीलता और जिजीविषा

4.5 निम्न-मध्यवर्गीय तथा निम्नवर्गीय युवक-युवती की प्रणय विड़:म्बना

4.6 रूढियों तथा अंध:श्रद्धा में जकड़ा हुआ मध्य तथा निम्न-मध्यवर्गीय समाज

4.7 नये युग का प्रभाव : सामाजिक यथार्थ

निष्कर्ष

पंचम अध्याय : भीष्म साहनी की कहानियों में सांस्कृतिक पक्ष 78 से 100

संस्कृति : अर्थ एवं परिभाषा

समाज और संस्कृति

सभ्यता और संस्कृति

धर्म और संस्कृति

5.1 सांस्कृतिक पक्ष

5.1.1 धर्म

5.1.2 अहिंसा

5.1.3 ईश्वर

5.1.4 त्याग

5.1.5 भाग्य

5.2 सामाजिक जीवन

5.2.1 पारिवारिक जीवनादर्श

5.2.2 संस्कार

5.2.2.1 मुण्डन संस्कार

5.2.2.2 गीत संस्कार

5.2.2.3 विवाह संस्कार

5.2.2.4 मृत्यु संस्कार

5.3 अंधविश्वास

5.4 स्त्री-पुरूष के सम्बन्धों का निरूपण

5.5 आदर्श का स्वरूप

निष्कर्ष

उपसंहार **101 से 110**

संदर्भग्रंथ सूची **111 से 113**